समय की पुकार - हद की छोटी-मोटी बातों से व संस्कार स्वभाव से फ्री रहो

आज बापदादा के पास चारों ओर के सेवा का समाचार लेकर गई तो जाते ही क्या देखा कि बापदादा वर्ल्ड के गोले पर खड़े हैं और बहुत ही शक्तिशाली शीतल लाइट-माइट के रूप में विश्व की सर्व आत्माओं को सकाश दे रहे हैं। बाबा इसी कार्य में इतने मग्न थे जो हमें देखा ही नहीं, मैं भी अपने को उसी रूप में अनुभव करने लगी। कुछ समय के बाद बाबा ने दृष्टि दी। मुस्कराते हुए इशारा किया ''आओ बच्ची आओ।'' मैं भी बाबा के साथ ग्लोब पर खड़ी हो गई।

बाबा बोले, बच्ची आत्माओं का दृश्य देखा ? अब तो बाप समान बच्चों की, कौन सी सेवा की आवश्यकता है ? देख रही हो कि सर्व आत्मायें कितनी भिन्न-भिन्न

प्रकृति के प्रकोप से, समस्याओं से दु:खी हैं। सुख की एक भी किरण नज़र नहीं आ रही है। ऐसे समय में आप बच्चों को अब बेहद के सेवा का विशेष प्लान बनाना चाहिए। अपने-अपने सेवास्थानों की सेवायें व छोटी-मोटी बातों में, हद के कमजोर संस्कार, स्वभाव से अपने को फ्री रखना आवश्यक है। जैसे औरों को ''समय की पुकार'' पर अटेन्शन दिलाते हो। ऐसे स्वयं भी समय की पुकार सुन रहे हो ? अब तक जो भी सभी बच्चों ने सेवा की है, बहुत अच्छी की है। बापदादा भी देख खुश हैं परन्तु अब ''ओ मेरे बेहद बाप के मालिक के बालक, बेहद के राज्य अधिकारी अब बेहद के सेवाधारी बनने का समय है।'' समय, प्रकृति आप इष्ट देवी-देवता आत्माओं को पुकार रही है। और फिर बापदादा हमारी अँगुली पकड़ चलते रहे और समाचार पूछते रहे।

मैंने सुनाया, बाबा न्युयॉर्क में जानकी दादी और जो भी उनके साथ प्रोग्राम में गये हैं, वहाँ पर रिज़ल्ट बहुत अच्छी आयी है। आपके इशारे प्रमाण विश्व के सर्व धर्मात्माओं ने और अन्य आत्माओं ने संदेश सुना और शान्ति का अनुभव किया। तो बाबा मुस्कराये और उस समय ऐसे लगा जैसे बापदादा के सामने बेहद सेवा का ग्रुप बाबा के नयनों में समाया हुआ था और बाबा मीठा-मीठा मिलन मना रहे थे। उसके बाद बाबा बोले – बच्चों को इस डायमण्ड युग - संगमयुग में दृढ़ता की डायमण्ड चाबी बाप द्वारा मिली हुई है। जनक बच्ची और ग्रुप ने दृढ़ता की गोल्डन की (illegible) द्वारा सफलता प्राप्त करने का सबूत दिखाया है। जो भी टाइम मिला सन्देश तो मिल गया ना। बच्चे हिम्मत से मदद के पात्र बने। सभी बच्चों को बापदादा बाहों में समाकर मुबारक दे रहे हैं।

अभी फिर ''स्टेट आफ वर्ल्ड फोरम'' की कान्फ्रेन्स का प्रोग्राम बनाया है, वह भी अच्छा है। ड्रामानुसार एक तरफ धर्मनेतायें, दूसरी तरफ राजनेतायें दोनों वर्गों की सेवा का इकट्ठा चांस मिला है। 'कॉल आफ टाइम' के टापिक पर सन्देश और डिक्लरेशन देने का प्लैन भी अच्छा है। ऐसा करने से सबको स्पष्ट हो जायेगा कि ब्रह्माकुमारियों की सेवा का एम-ऑब्जेक्ट क्या है ? विश्व की आत्माओं के लिए कितना रहम और उमंग है।

लक्ष्य यही रखना है कि किसी भी रूप में कॉन्टेक्ट और कनेक्शन में सहयोगी बनाना है। आगे चलकर कई कार्य करने कराने के निमित्त बन सकते हैं।

इसके बाद बाबा को दादी का आस्ट्रेलिया का समाचार सुनाया। बाबा बोले कि चक्रवर्ती राजा बनने वालों को अब सेवा का चक्र लगाना पड़ता है फिर चक्रवर्ती राजा बन विश्व राजे का पार्ट बजाना है। बच्ची (दादी) की यही विशेषता बापदादा देखते हैं कि सदा स्वयं भी उमंग-उत्साह में रहती और दूसरों को भी कोई-न-कोई प्लैन सोच उमंग-उत्साह में लाती। ये ब्रह्मा बाप समान बनने का बच्ची को वरदान है। दोनों दादियाँ अपने ग्रुप के साथ अच्छा पार्ट बजा रही हैं।

अब तो तुम्हारा भी (गुल्जार दादी का) चक्र लगाने का पार्ट है। हरेक बच्चों के कदम-कदम में पद्मों की कमाई जमा हो रही है। फिर अफ्रीका के बच्चों की भी बाबा को याद दी। बाबा ने कहा कि बच्चे वहाँ रहते-रहते अनुभवी हो गये हैं। हर एक को लाइट-माइट्में रह कर बेहद सेवा के निमित्त बनना है। अलबेले भी नहीं बनना है, अटेन्शन और टेन्शन फ्री - दोनों का बैलेन्स रखना है। ऐसे कहते वेदान्ती बहन, सेन्टर के सर्व भाई-बहनों और टीचर्स बहनों को बहुत-बहुत स्नेह से बापदादा ने दृष्टि दी और सदा डबल लाइट रहने का वरदान दिया। ऐसे मिलन मनाते अपने साकार वतन में पहुँच गई। ओम शान्ति।